कालिदास कृत रघुवंशम् में वनौषधियॉं

डॉ. निरूपमा सिंह

महाकवि कालिदास ने अपने महाकाव्यों में पर्यावरण को विशेष महत्व दिया है। उनके प्रायः सभी ग्रंथों में नदी, पहाड़, जंगल आदि का विशेष रूप से वर्णन मिलता है। इसी प्रकार रघुवंश महाकाव्य में भी उन्होंने विभिन्न प्रकार के वनस्पतियों एवं वनौषधियों का उल्लेख किया है। रघुवंशम् महाकाव्य में महाकवि कालिदास ने अक्षोट, अर्जुन, वृक्ष, आम्र वृक्ष, आम्र पादप, इक्षु, एलाफल, औषधि काश, कीचक, खेतक, खर्जूरी चन्दन, तमाल, ताम्बुल्ली, ताली, तृण द्राक्षावलय, नमेरु, नारिकेल इत्यादि वनस्पतियों का उल्लेख किया है।